... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, गुरुवार, 16 जुलाई-2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष-43 ● अंक 270 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

फिर चला मेसी का जादू

मैच के अंतिम सात मिनट में अर्जेंटीना ने पलटा खेल

● सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर दिला दी जीत

● चौथा खिताब जीतने के लिए अब स्पेन से 19 जुलाई को होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा। अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी। यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है। मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही। 33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट में लगाकर बाहर चली गई। अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडिज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया। 37वें मिनट में लियोनेल मेसी आगे बढ़े, लेकिन इलियट एंडरसन ने उन्हें रोकने के लिए फाउल किया। इस पर एंडरसन को येलो कार्ड मिला। 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज को भी कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए। ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की। जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया। 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया।

घनघोर बारिश में जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ, राष्ट्रपति प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

ओडिशा। पुरी में आज सुबह 6 बजे से मंगला आरती के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत हो गई है। दुनियाभर में लोकप्रिय इस यात्रा को देखने के लिए देश-विदेश से सैलानी पहुंच रहे हैं। हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को बहुत ही विशेष और पवित्र माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि को पुरी में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग अपने-अपने रथों पर सवार होकर नगर का भ्रमण करते हुए गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी समेत देश के कई नेताओं ने भक्तों को रथयात्रा की शुभकामनाएं दी है।

पश्चिम एशिया में मारा-मारी के बावजूद सेंसेक्स उछला

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने जहां दुनिया भर के वित्तीय बाजारों को डरा दिया है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार ने अपनी अद्भुत मजबूती का प्रदर्शन किया है। गुरुवार को सुबह के शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों को पूरी तरह दरकिनार करते हुए हरे निशान में खुले। सेंसेक्स में 250 अंकों से अधिक की बढ़त देखी गई, जबकि निफ्टी 50 सूचकांक भी 24,100 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया। ऐसे समय में जब एशियाई बाजारों में भारी बिक-वाली देखी जा रही है, भारतीय बाजारों का यह जुझारूपन निवेशकों को काफी राहत देने वाला है। आज गुरुवार सुबह 09:31 बजे के लाइव आंकड़ों के अनुसार, बंबई शेयर बाजार का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 171.39 अंक (0.22 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 77,356.82 अंक पर कारोबार कर रहा था।

तीसरी भाषा नीति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

● विषय की शुरूआत कक्षा पांच या छह से की जानी चाहिए

नई दिल्ली। तीसरी भाषा नीति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि कक्षा 9 से तीसरी भाषा पढ़ाना छात्रों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि इस विषय की शुरुआत कक्षा 5 या 6 से की जानी चाहिए, ताकि छात्र इसे बेहतर तरीके से सीख सकें। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा पढ़ाना छात्रों के लिए अतिरिक्त बोझ बन सकता है और इससे उनका तनाव बढ़ सकता है। अदालत ने सुझाव दिया कि तीसरी भाषा की पढ़ाई कक्षा 5 या 6 से शुरू की जानी चाहिए, ताकि बच्चे कम उम्र में इसे आसानी से सीख और समझ सकें। जस्टिस नागरत्ना ने केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, 'भारत सरकार, कृपया कक्षा 9 से तीसरी भाषा शुरू न करें। इससे छात्रों का तनाव स्तर अनावश्यक रूप से बढ़ेगा।

टेरर फंडिंग और अवैध घुसपैठ मामले में 5 राज्यों के 13 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में 13 जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित टेरर फंडिंग और अवैध घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में की गई। ये छापे आज सुबह प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत संदिग्धों के ठिकानों पर मारे गए। ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस की टीम ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर जिन जगहों पर तलाशी ली, उनमें नई दिल्ली में बाटला हाउस और मदनपुर खादर, उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, महाराष्ट्र में रायगढ़ और पश्चिम बंगाल में साउथ 24 परगना, नॉर्थ 24 परगना, कोलकाता और मुर्शिदाबाद शामिल हैं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य से जुड़ी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर चिंता जताते हुए कहा कि हर नागरिक की जिंदगी कीमती है और सरकार को इसकी सुरक्षा के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सोनम वांगचुक का प्रतिदिन मेडिकल चेक-अप होता है और उनकी सेहत से जुड़ी जानकारी रेगुलर तौर पर शेयर की जाती है।

वांगचुक का 20 जुलाई का संसद चलो मार्च

गिरते स्वास्थ्य के बीच जारी किया वीडियो

नई दिल्ली। शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कल देर रात जंतर-मंतर से एक वीडियो जारी किया। नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों और पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। इस आंदोलन को 19 जून को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) नाम के एक ऑनलाइन व्य-ंग्यात्मक ग्रुप ने अपने फाउंडर अभिजीत दिपके की अगुवाई में शुरू किया था, जो अब एक बड़े जनांदोलन का रूप ले चुका है। 59 वर्षीय वांगचुक 24 घंटे मेडिकल निगरानी में हैं। उनका वजन घटकर 57.15 किलोग्राम हो गया है; पिछले 24 घंटों में इसमें 400 ग्राम की कमी आई है और उपवास शुरू करने के बाद से अब तक लगभग 8.9 किलोग्राम वजन कम हुआ है। वीडियो मैसेज में वांगचुक ने समर्थकों से यह भी आग्रह किया कि वे उनसे उपवास खत्म करने के लिए न कहें, बल्कि 20 जुलाई को संसद तक संगठन के नियोजित 'चलो संसद' मार्च में शामिल हों। उन्होंने कहा, 'मुझसे उपवास तोड़ने के लिए कहने के बजाय, कृपया 20 जुलाई को मेरे साथ शामिल हों।

घर के बाहर सो रहे लोगों पर चढ़ा दिया ट्रक, तीन की मौत

मिर्जापुर। मिर्जापुर के अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर स्थित कुदारन गांव में बुधवार की मध्यरात्रि के बाद दर्दनाक सड़क हादसे में घर के बाहर सो रहे लोगों पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में ट्रक का टायर फटना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार, कुदारन गांव निवासी राजा राजभर (42) गर्मी के कारण अपने घर के बाहर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सड़क किनारे सो रहे थे। रात करीब तीन बजे वाराणसी से सोनभद्र की ओर जा रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक का आगे का टायर फटने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क किनारे सो रहे लोगों को रौंदते हुए मकान की दीवार से जा टकराया।

अलसुबह अमेरिका ने की ईरान पर बमबारी

● तेहरान ने बहरीन और कुवैत में गिरायीं मिसाइलें

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया। जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया, जबकि जॉर्डन ने तीन ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी। इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस

सोनिया के आवास पर हुई बैठक में किया गया ऐलान

● और भी कई विधेयकों के विरोध का फैसला

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने संसद के मानसून सत्र को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक से पहले अहम मंथन किया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में कई अहम पर मंथन किया गया है। इस बैठक के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रेस को बताया कि पार्टी ने संसद के आगामी सत्र में परिसीमन बिल समेत सरकार के कई विधेयकों का विरोध करने का फैसला किया है। कांग्रेस ने कहा है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को फिर से संसद में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 17 अप्रैल को सरकार इस विधेयक पर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में असफल रही थी और उसे बड़ा झटका लगा था।

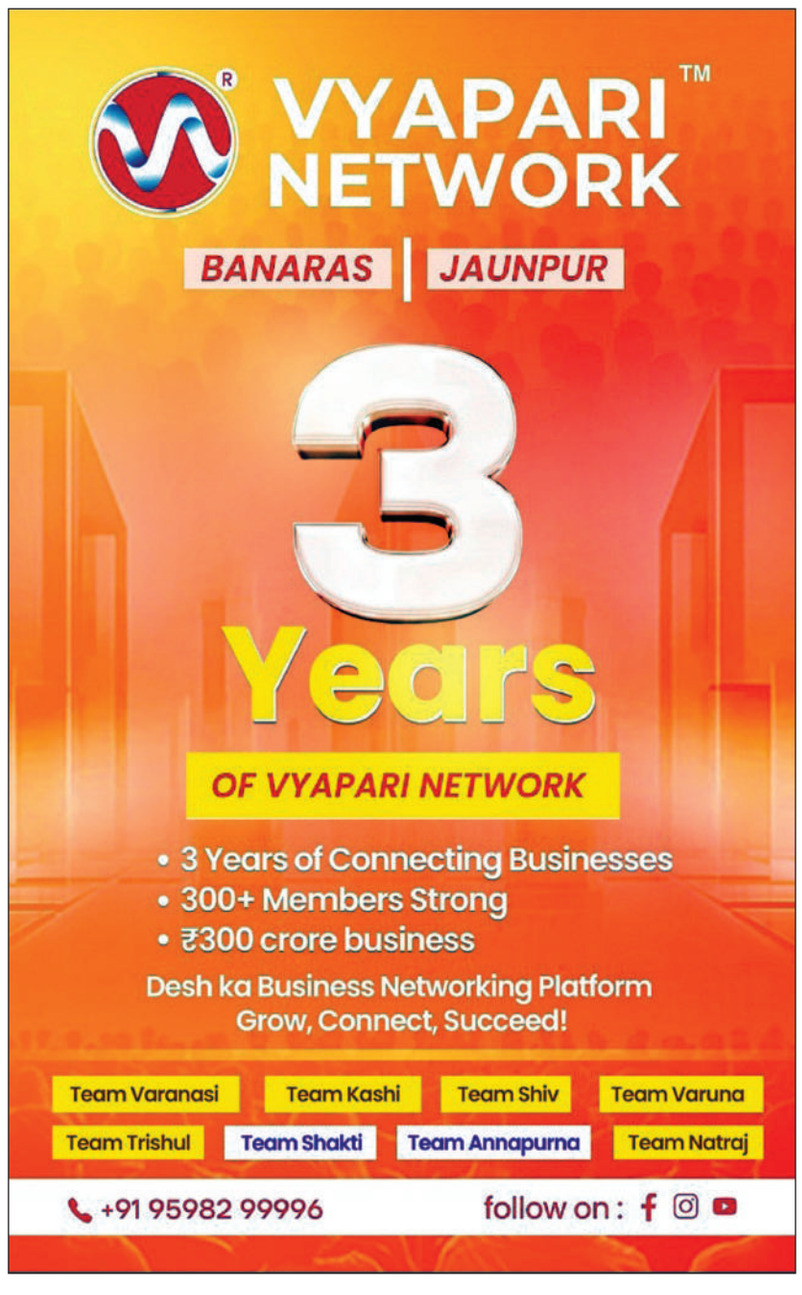

जनमुख
हिन्दी दैनिक
लाइव
● तापमान अधिकतम : 31.8°C
● तापमान न्यूनतम : 24.0°C
● सूर्योदय : 05.19
● सूर्यास्त : 06.30
वाराणसी, 16 जुलाई, गुरुवार, 2026 (2)

काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। छाया : जनमुख

रथ पर सवार होकर निकले जगन्नाथ

पांच किमी. लंबी शोभायात्रा : 56 व्यंजनों का लगा भोग

● भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का विधि विधान से किया गया शृंगार

● दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लगी लंबी कतार

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह भगवान जगन्नाथ की तीन दिवसीय रथयात्रा मेले का शुभारंभ हो गया। सुबह 5 बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का विधि-विधान से पीतांबरी शृंगार किया गया। मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जिसके बाद सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। रथयात्रा करीब 5 किमी की है। भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को नानखटाई और तुलसी के पत्ते बांटे गए। करीब 2 किमी में फैले मेले में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसी के साथ नगर में आज से तीन दिवसीय रथयात्रा के मेले का शुभारम्भ हो गया है। प्रशासन ने मार्गों पर रूट डायवर्जन कर रखा है। लक्सा से महमूरगंज मार्ग पर विशेष रूप से यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है।

साइकिल सवार को कुचल कर भाग निकला ट्रक चालक

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह 7 बजे एक मिक्सर मशीन ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को कुचल दिया। बुजुर्ग की आंते बाहर आ गईं। हादसे में बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि साइकिल पर पीछे बैठा रिश्तेदार कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं, हादसे की बाद ड्राइवर ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह हादसा पास में लगे सीसीटीवी कैद हो गया। पूरा मामला चोलापुर थाना क्षेत्र के आजमगढ़ हाइवे की है। फुटेज के आधार पर आरोपी वाहन की तलाश में पुलिस जुटी है। मृतक की पहचान जैरामपुर सरैया निवासी नखरु राजभर उर्फ कल्लू (45) के रूप में हुई है। वह पहाड़पुर गांव में अपने ससुराल आए थे। गुरुवार सुबह वह एक रिश्तेदार के साथ साइकिल से किसी काम से दानगंज बाजार जा रहे थे। बाजार के पास अचानक उनकी साइकिल असंतुलित होकर गिर गई। पीछे बैठा रिश्तेदार तो कूदकर बच गया, लेकिन नखरु सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान वाराणसी से आजमगढ़ की ओर जा रही मिक्सर मशीन (कंक्रीट मिक्सर) ट्रक उन्हें कुचलते हुए निकल गई।

राष्ट्र कल्याण की कामना के साथ निकली कालभैरव की शोभायात्रा

● गगनभेदी जयघोष से गूंजी काशी, दिव्य रथ पर विराजमान बाबा के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति की विश्व राजधानी काशी ने गुरुवार को एक बार फिर उस दिव्य क्षण का साक्षात्कार किया, जब काशी के कोतवाल, न्याय एवं धर्म के अधिष्ठाता भगवान श्री काल भैरव स्वयं अपने भक्तों को दर्शन एवं आशीर्वाद देने नगर भ्रमण पर निकले। जैसे ही स्वर्णिम रथ पर विराजमान बाबा श्री काल भैरव की स्वर्ण-रजत पंचबदन प्रतिमा ने नगर भ्रमण प्रारंभ किया, संपूर्ण काशी 'हर-हर महादेव' और 'जय बाबा काल भैरव' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठी। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बाबा का स्वागत किया और विश्व शांति, राष्ट्र की समृद्धि तथा जनकल्याण की मंगलकामना की। चौखंभा स्थित काठ की हवेली से वैदिक मंत्रोच्चार, अनवरत शंखनाद और डमरुओं की दिव्य ध्वनि के बीच शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष घनश्याम सेठ 'बच्चा', महामंत्री राजू वर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह,शोभायात्रा मंत्री जनार्दन वर्मा एवं कमेटी के पदाधिकारियों ने भगवान की विधिवत आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में सबसे आगे धर्मध्वजाएं लिए श्रद्धालु चल रहे थे। उनके पीछे 11 छत्रधारी अश्वों पर सवार देवस्वरूप, आकर्षक धार्मिक झांकियां तथा भगवान राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, मां काली, मां दुर्गा और हनुमान के सजीव स्वरूप श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे थे। माता वैष्णो देवी तथा गोविंदेश्वर महादेव की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। न्यू इवेंट प्लानर की टीम द्वारा प्रस्तुत भजनों ने पूरे मार्ग को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। यह भव्य शोभायात्रा अपने पारंपरिक मार्ग चौखंभा एवं गोलघर होते हुए श्री काल भैरव मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा की भव्य महाआरती संपन्न हुई तथा प्रतिमा को पुनः मंदिर में प्रतिष्ठित किया गया। इस मौके पर आयुष राज्यमंत्री डा. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, पाषर्दगण संजय विश्वंभरी, मनोज यादव, कनकलता मिश्रा, पूर्व पाषर्दगण बृजकिशोर दास, रविशंकर सिंह, अशोक सेठ, किशोर सेठ, मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रस्ताव को केंद्र की हरी झंडी, मेयर और नगर आयुक्त ने पीएम का जताया आभार

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। 25,445 करोड़ रुपये की लागत से करीब 89 किलोमीटर लंबे गंगा एवं वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रस्ताव को केंद्र की हरी झंडी मिल गई है। यह मेगा प्रोजेक्ट न केवल काशी की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाएगा, बल्कि आने वाले दशकों के लिए शहर को ट्रैफिक जाम के झंझट से पूरी तरह मुक्त कर देगा। इस अभूतपूर्व सौगात के लिए नगर निगम और समस्त काशीवासियों की ओर से महापौर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि इस भव्य परियोजना को दो हिस्सों में बांटा गया है।

समान शिक्षा की मांग को लेकर धूमिल से निकली त्रिदिवसीय पदयात्रा का समापन

● अंतिम दिन बीएचयू गेट पर किया गया स्वागत

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। मुंशी प्रेमचंद के जन्मस्थली से निकली, धूमिल के गांव से होती हुई लोकबंधु राजनारायण के जन्मस्थान गंजारी परिक्षेत्र में जागरूकता और संवाद करते हुए यात्रा आचार्य नरेंद्र देव की कर्मस्थली बीएचयू गेट पर हुआ भव्य स्वागत। 15 जुलाई, बुधवार को मुंशी प्रेमचंद के जन्मस्थली से निकली यात्रा का आनंद पार्क, दुर्गाकुंड पर हुआ भव्य स्वागत। छात्रों ने 'राष्ट्रपति का बेटा हो या हो चपरासी की संतान। सबकी शिक्षा एक समान' का नारा बुलंद किया। यात्रीदल की अगुवाई कर रहे मैगसेसे सम्मान से सम्मानित प्रो संदीप पांडे का स्वागत किया गया। प्रेमचंद के जन्मस्थली से निकली और धूमिल के गांव से होती हुई लोकबंधु राजनारायण के जन्मस्थान गंजारी परिक्षेत्र में जागरूकता और संवाद करते हुए यात्रा आचार्य नरेंद्र देव की कर्मस्थली बीएचयू पंहुचकर तीन दिनी यात्रा का समापन सभा के रूप में हुआ। पदयात्रा के अंतिम दिन वक्ताओं ने कहा कि भारत के लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी लड़ाई आज सार्वजनिक शिक्षा को बचाने की लड़ाई है।

श्रावण से पहले नॉनवेज की दुकानों को शहर से हटाया जाए

● आदि महादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास के समारोह में आर.के. चौधरी सम्मानित

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। आदिमहादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास, वाराणसी द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें न्यास के पदाधिकारियों, सदस्यों, विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.के. चौधरी को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का फिर से लगातार उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर न्यास की ओर से सम्मानित किया गया। आर के चौधरी ने कहा कि आदि महादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास सनातन के प्रचार प्रसार के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। ऐसे में काशी की पवित्रता एवं धार्मिक गरिमा को ध्यान में रखते हुए महापौर एवं नगर आयुक्त से आग्रह करता है कि आगामी पवित्र श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए इस संबंध में प्रभावी निर्णय लेकर इसे अविलंब लागू किया जाए।

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स
सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन
अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'

समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा

स्वात्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।

रजि.33134/78.
फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com

पूर्वोत्तर रेलवे अधिसूचना सं. 116/2026

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए निम्नलिखित विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है, जिसकी विस्तृत विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी संख्या 05183/05184 आजमगढ़ - बान्द्रा टर्मिनस - आजमगढ विशेष गाड़ी

गाड़ी सं. 05183 - आजमगढ़ से (शनिवार को) दिनांक 18.07.2026 से 26.09.2026 तक = 11 ट्रिप, गाड़ी सं. 05184 -बान्द्रा टर्मिनस से (सोमवार को) दिनांक 20.07.2026 से 28.09.2026 तक = 11 ट्रिप

05183 आजमगढ़ - बान्द्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी			05184 बान्द्रा टर्मिनस - आजमगढ़ विशेष गाड़ी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	22.30	आजमगढ़	00.25	---
22.52	22.54	मुहम्मदाबाद	23.48	23.50
23.20	00.05	मऊ	22.55	23.25
01.10	01.15	औंडिहार	21.25	21.27
02.25	02.35	बनारस	20.10	20.15
03.30	03.32	ज्ञानपुर रोड	18.55	18.57
04.35	04.40	प्रयागराज रामबाग	17.45	17.47
05.15	05.20	सूबेदारगंज	16.50	16.55
08.10	08.15	गोविन्दपुरी	13.30	13.35
11.55	12.00	टूण्डला	09.30	09.35
12.45	12.50	आगरा ईदगाह	08.30	08.35
15.30	15.32	बयाना	05.45	05.47
19.00	19.05	कोटा	01.20	01.30
21.45	21.50	नागदा	22.10	22.15
22.45	22.50	रतलाम	20.45	20.50
01.45	01.55	वड़ोदरा	15.35	15.45
03.40	03.45	सूरत	14.10	14.15
07.15	07.17	बोरीवली	11.05	11.07
08.10	---	बान्द्रा टर्मिनस	----	10.45

रेक संरचना - एसी 3 टियर इकोनॉमी- 8, शयनयान-8, सामान्य द्वितीय श्रेणी / कुर्सीयान - 2, एलएसएलआरडी-1, जेनरेटर सह लगेज यान - 1 = कुल 20 कोच
मुजाधि/टी– 31 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अब 31 जुलाई तक मिलेगा गृहकर, जलकर और सीवरकर में छूट का लाभ

● ऑनलाइन भुगतान करने वालों को मिलेगी 12 प्रतिशत की छूट, वाट्स-एप से भी जमा होगा टैक्स

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। नगर निगम ने गृहकर, जलकर और सीवरकर में मिलने वाली मिलने वाली छूट की समय-सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया है। पहले छूट प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई थी, जो बुधवार को समाप्त हो रही थी। स्थानीय नागरिकों के अनुरोध पर महापौर अशोक कुमार तिवारी व पार्षदों ने जनहित को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से छूट की मियाद को बढ़ाने का निर्णय लिया है। महापौर के इस फैसले से लाखों उन भवन स्वामियों को राहत मिल गई जो किन्हीं कारणवश अब तक संपत्तिकर नहीं जमा कर सके थे। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि कार्यकारिणी की संस्तुति के आधार पर शहर के 2.33 लाख भवन स्वामियों को वर्तमान वित्तीय वर्ष (2026-27) में सात मई से टैक्स जमा करने वाले नागरिकों को मुख्य रूप से 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। वहीं डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन माध्यमों से भुगतान करने पर दो प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत दी जा रही है।

संतुष्टि इंस्टीट्यूट में पौधों का वितरण

● संरक्षण का दिलाया संकल्प

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। पर्यावरण संरक्षण, हरित भविष्य और मातृ सम्मान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज, नेवादा, सुंदरपुर, वाराणसी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी नर्सों एवं छात्राओं को पौधे भेंट किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संजय गर्ग ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. प्रियांश गर्ग, डॉ. मिशा गर्ग सहित संस्थान के शिक्षकगण, नर्सिंग स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

अगले 48 घंटे में बारिश का अलर्ट

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार सुबह तेज धूप और उमस के बीच तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में मानसून के दोबारा सक्रिय होने का अनुमान जताया है। इसके बाद जिले और आसपास के इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना है, जिससे किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। बारिश की संभावना के बीच गंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। दशाश्वमेध घाट की तीन सीढ़ियां पानी में डूब चुकी हैं। हालांकि जलस्तर अभी खतरे के निशान से काफी नीचे है और फिलहाल बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है।

मीरजापुर समाचार

सप्त दिवसीय बोधि पथ कार्यशाला का आयोजन

मीरजापुर। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय बोधि पथ कार्यशाला 2026 का आयोजन के0 बी0 डिग्री कालेज के बीएड विभाग में किया गया।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री लालबहादुर सरोज ने कहा कि बौद्ध धर्म का मध्यम मार्ग और पर्यावरण के प्रति अहिंसा का सिद्धांत आधुनिक सतत विकास के लक्ष्यो के सबसे करीब है। बुद्ध के उपदेशों के अनुसार पेड़ों, नदियों एवं वन्य जीवों के संरक्षण का महत्व समाज में सबसे अधिक प्रासंगिक है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाये बिना संसाधनों का प्राकृतिक उपयोग पर्यावरण संरक्षण की कुंजी है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केसरी जी ने कहा की आज के समय में युद्ध की नहीं बल्कि बुद्ध की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने पर ज़ोर दिया। प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार द्विवेदी, प्रो. बीना देवी सिंह, श्री रामनारायण जी कुल सचिव, श्री हरिश्चंद्र जी परीक्षा नियंत्रक माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, श्री विभूति कुमार मिश्रा, प्रोफेसर नम्रता मिश्रा, प्रोफेसर भवभूत मिश्रा, प्रोफेसर भानु प्रताप सिंह, प्रोफेसर इंदु भूषण द्विवेदी आदि लोग उपस्थित थे।

सोनभद्र समाचार

बिजली गिरने से महिला की मौत

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के मुडिसेमर ग्राम पंचायत में बुधवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वह खेत से मवेशी और बकरियों को लेकर घर लौट रही थीं। गांव निवासी आशीष कुमार उर्फ भोला हलवाई की पत्नी मुन्नी देवी (32) दोपहर करीब तीन बजे खेत से लौट रही थीं। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मुन्नी देवी अपने पीछे दो बेटियां - नैना (5) और नंदनी (4) तथा दो बेटे नीतीश कुमार (7) और अनिकेत कुमार (6) छोड़ गई हैं। सूचना मिलने पर विंढमगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मऊ समाचार

24 घंटे में 10 सेमी बढ़ा सरयू नदी का जलस्तर

दोहरीघाट। कस्बा स्थित सरयू नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने से तटवर्ती क्षेत्र के लोगों की धड़कनें तेज हो गई हैं। 24 घंटे में नदी के जलस्तर में 10 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। नदी के रुख से मुक्तिधाम सहित ऐतिहासिक धरोहरों पर खतरा मंडराने लगा है।

मंगलवार को नदी का जलस्तर स्थिर रहने से लोगों ने राहत की सांस ली ही थी कि नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से तटवर्ती इलाकों के लोगों को नदी के कहर बरपाने की चिंता सताने लगी है। बुधवार को नदी के जलस्तर में 10 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई। नदी के जलस्तर पर नजर डालें तो बुधवार को यह 67.75 मीटर रहा। मंगलवार को नदी का जलस्तर 67.65 मीटर रहा। गौरीशंकर घाट पर खतरा बिंदु 69.90 मीटर है। नगर स्थित दुर्गा मंदिर, शाही मस्जिद, लोक निर्माण विभाग का डाक बंगला, खाकी बाबा की कुटी, डीह बाबा का मंदिर और हनुमान मंदिर आदि का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। नदी के तटवर्ती इलाकों के गांवों धनौली रामपुर, नई बाजार, नवली, चिऊंटीडांड़, बहादुरपुर, बीबीपुर, गौरीडीह, बेलौली, ताहिरपुर, जमीरा और चौराडीह तथा जमीरा चौराडीह गांवों में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

नदी की लहरें मुक्तिधाम से टकरा रही हैं। नदी में तेजी से बढ़ रहे जलस्तर से तटवर्ती इलाकों के किसान धान की रोपाई कराने को लेकर उहापोह में पड़े हैं।

देवरिया समाचार

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

रुद्रपुर। मंगलवार की देर शाम सड़क हादसे एक अधेड़ घायल हो गया। देवरिया से गोरखपुर उपचार के लिए जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। रुद्रपुर-नरायनपुर मार्ग स्थित भगवानपुर चौराहे पर गांव निवासी राजबहादुर निषाद (52) टहल रहे थे।

इस दौरान एक वाहन ने टक्कर मार दी। वह गिरकर घायल हो गए। मौके पर जुटे लोग घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।

हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज देवरिया से गोरखपुर जाते समय रात करीब 12 बजे उनकी मौत हो गई। मृतक रो रोकर लबुरा हा। मृतक के बेटे अमित की शिकायती पत्र पर पुलिस ने अज्ञात चालक पर प्राथमिकी दर्ज की है।

बलिया समाचार

संचारी रोग नियंत्रण व पौधरोपण की दी जानकारी

बलिया। शिक्षा क्षेत्र हनुमानगंज के प्राथमिक विद्यालय एक व उच्च प्राथमिक विद्यालय गोठहुली के तत्वावधान में बुधवार को स्कूल चलो अभियान, संचारी रोग उन्मूलन जागरूकता अभियान तथा एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्राम प्रधान अंजनी कुमार चौबे ने स्कूल चलों अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद बच्चों की रैली पूरे गांवों का भ्रमण करते हुए बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। साथ ही शिक्षा के महत्व के बार में बताया। कहा कि प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन बहुत जरूरी है।

संचारी रोगों की रोकथाम तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

स्कूल पर एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। अध्यापकों ने बच्चों को पौधे के संरक्षण का भी संदेश दिया।

चंदौली समाचार

एक हफ्ते में करें किसानों की शिकायतों का समाधान : डीएम चंदौली। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को आयोजित किसान दिवस में किसानों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं उठाईं। अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने कहा कि सिंचाई, खाद और बिजली जैसी सुविधाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी मौके पर जाकर व्यवस्थाएं देखें और किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान कराएं। बैठक में किसानों ने नहरों के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने, हेड पर पानी रोके जाने, बंधियों पर अतिक्रमण, ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज, उर्वरकों की उपलब्धता, विंध्य एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण के उचित मुआवजे समेत अन्य मांगें रखीं। इस पर डीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि धान की रोपाई को देखते हुए सभी नहरों के टेल तक निर्बाध जलापूर्ति की जाए।

सुल्तानपुर समाचार

बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत, तीन घायल

कादीपुर। स्थानीय कस्बे के चांदा मार्ग पर विवेकानंद नगर वार्ड में मंगलवार रात दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में एक बाइक पर सवार लंभुआ निवासी आशीष (25) की मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार जलालपुर के राकेश निषाद (38) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उसी स्थान पर देर रात दोबारा दो बाइकों की भिड़ंत में दो युवक घायल हो गए। एक युवक को कादीपुर सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार रात करीब 08:30 बजे हुई। आशीष बाइक से चांदा की ओर जा रहे थे, जबकि राकेश कादीपुर की ओर आ रहे थे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। दुर्घटना के बाद दोनों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर पहुंचाया गया। वहां पर चिकित्सक ने दोनों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां से आशीष को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं रात करीब 11:30 बजे विवेकानंद नगर में उसी स्थान पर दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में एक बाइक पर सवार सराय रानी निवासी प्रवेश निषाद (23) व उसी गांव के अमन सिंह (25) घायल हो गए। उन दोनों ने भी हेलमेट नहीं पहना था। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर पहुंचाया गया। वहां से चिकित्सक ने प्रवेश निषाद को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रवेश व अमन सिंह ने भी हेलमेट नहीं पहना था। कादीपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हलियापुर के जरईकला के पास बबुरीपुर निवासी गौरव उपाध्याय (22) बुधवार सुबह एक कार से पहुंचे। वहां पर उनकी कार कुछ देर के लिए रुकी थी। वह सड़क के किनारे खड़े थे। परिजनों के अनुसार इसी बीच अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रक लेकर चालक भाग निकला। गौरव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर से महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा, अंबेडकरनगर रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। देर शाम उनका अंतिम संस्कार देवाढ़ घाट पर कर दिया गया।

भदोही समाचार

घर से दवा लेने निकले युवक का नहर में मिला शव

भदोही। क्षेत्र के जगमलजोत गांव के पास नहर में बुधवार को एक युवक शव मिला। वह मंगलवार को घर से दवा लेने के लिए निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजन जब तलाश में जुटे तो उसकी साइकिल मोहिउद्दीनपुर गांव के पास मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि चकजैन गांव निवासी कन्हैया (22) पिछले कुछ समय से पेट से संबंधित बीमारी से ग्रसित था। वह घर से दवा लेने के लिए निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की, तो मोहिउद्दीनपुर गांव के पास उसकी साइकिल मिली थी। दूसरे दिन ग्रामीणों ने जगमलजोत गांव के पास नहर में एक शव उतराया मिलने की सूचना दी, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई।

जौनपुर समाचार

मां दुर्गा के गुप्त स्वरूपों की होती है पूजा, पहले दिन चौकियां धाम में दर्शन के लिए भक्तों की भीड़

धर्मापुर। शीतला चौकियां धाम में बुधवार को गुप्त नवरात्र के पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए। सुबह से ही मंदिर का कपाट खुलने के बाद धाम के महंत विवेकानंद पंडा ने माता रानी का श्रृंगार का आरती पूजन किया। माता रानी के जयकारों से पूरी वातावरण भक्तिमय हो गया। गुप्त नवरात्र का विशेष पौराणिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि आषाढ़ मास में की गुप्त नवरात्र साधना तप और देवी आराधना के लिए अत्यंत शुभ व कल्याणकारी माना जाता है। इस नवरात्र में मां दुर्गा के गुप्त स्वरूपों की पूजा की जाती है। प्रथम दिन माता कालिका की पूजा शक्ति साहस और आत्मविश्वास प्राप्त करने का पवित्र अवसर माना जाता है। इनकी उपासना से माता के भक्तों का आत्मविश्वास बढ़ता है और साधक को आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक मां की आराधना करने से जीवन की कठिन परिस्थितियों में देवी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त होने की धार्मिक मान्यता है।

मान्यता है कि माता कालिका अपने भक्तों को भय, नकारात्मक शक्तियों और जीवन की बाधाओं से रक्षा प्रदान करती हैं। सुरक्षा के तहत चौकिया चौकी इंचार्ज राम प्रकाश यादव, अखिलेश सिंह, भरत राजभर, सुनील सिंह, विजय यादव आदि मंदिर का चक्रमण करते रहे।

प्रयागराज समाचार

मुंबई में हार्ट अटैक से युवक की मौत, गांव पहुंचा शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के निरिया गांव निवासी मनोज कुमार कनौजिया (37) की मुंबई में हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। मंगलवार देर रात पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस से उसका शव गांव पहुंचा। बुधवार को डीहा गंगा घाट पर मनोज का अंतिम संस्कार किया गया। मनोज परिवार के भरण-पोषण के लिए मुंबई में रहकर मजदूरी करता था। तीन दिन पहले अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था।

गोरखपुर समाचार

रोवर तकनीक से जमीन की पैमाइश हुई आसान, मंडलायुक्त ने किया परीक्षण

गोरखपुर। राजस्व विभाग में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से अब जमीन की पैमाइश अधिक सटीक और आसान हो गई है। इसी क्रम में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने बुधवार को तहसील सदर के जंगल औराही गांव पहुंचकर रोवर उपकरण से चक संख्या 306 की पैमाइश का परीक्षण किया। इस दौरान तहसीलदार एवं डिप्टी कलेक्टर ज्ञान प्रताप सिंह ने उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश की ओर से प्रदेश की सभी तहसीलों को रोवर उपकरण उपलब्ध कराया गया है। इस तकनीक में सबसे पहले एक फिक्स पॉइंट स्थापित किया जाता है, जिसे सैटेलाइट के माध्यम से अक्षांश और देशांतर के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसके बाद संबंधित चक की पैमाइश अभिलेखों में दर्ज रकबे और नक्शे के अनुसार अत्यंत सटीक तरीके से की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि रोवर तकनीक की खासियत यह है कि पैमाइश के दौरान खेत में पेड़, भवन, पानी भरा होने या ऊंची-नीची जमीन जैसी बाधाओं का कोई असर नहीं पड़ता। इससे शत-प्रतिशत शुद्धता के साथ माप संभव होती है। पैमाइश का पूरा डेटा कंप्यूटर में सुरक्षित रहता है, जिसका भविष्य में उसी गांव की अन्य जमीनों की पैमाइश के लिए भी आधार के रूप में उपयोग किया जा सकता है। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने रोवर उपकरण की कार्यप्रणाली और विशेषताओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को इस तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सदर देवेंद्र यादव, राजस्व निरीक्षक विनय श्रीवास्तव समेत अन्य राजस्व कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों को धक्का देकर भागा बाल अपचारी, देखती रह गई 'खाकी'

गोरखपुर। जिला अस्पताल में मेडिकल जांच के दौरान बुधवार सुबह पुलिस अभिरक्षा में लाया गया एक बाल अपचारी पुलिसकर्मियों को धक्का देकर भाग गया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बाल अपचारी की तलाश के लिए चार टीमें गठित की गईं। वहीं, मामले में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आने पर एसएसपी ने देर शाम दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में दरोगा संजय पांडेय के अलावा हेड कांस्टेबल रामधारी यादव, राजेश कुमार और प्रेम नारायण वर्मी शामिल हैं। इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजघाट थाना क्षेत्र का रहने वाला किशोर करीब 15 दिन पहले चोरी के एक मामले में पकड़ा गया था। न्यायालय के आदेश पर उसे बाल सुधार गृह भेजा गया था।

आजमगढ़ समाचार

बार चुनाव में भृगुनाथ राम अध्यक्ष, मनोज चुने गए मंत्री

आजमगढ़। जिला बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों की मतगणना बुधवार को एसोसिएशन के पुस्तकालय कक्ष में हुई। अध्यक्ष पद पर भृगुनाथ राम और मंत्री पद पर मनोज कुमार राय ने जीत दर्ज की। अधिवक्ताओं ने विजेताओं का स्वागत किया। निर्वाचन अधिकारी शिवधन प्रसाद ने बताया कि अध्यक्ष पद पर भृगुनाथ राम ने 215 वोट पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महेंद्र प्रताप सिंह को 25 मतों से पराजित किया। महेंद्र प्रताप को 190 मत मिले। वहीं, अध्यक्ष पद के तीसरे उम्मीदवार बलिराम यादव को केवल पांच मत मिले। मंत्री पद पर चार उम्मीदवार मैदान में थे। मनोज कुमार राय 260 मत पाकर मंत्री निर्वाचित हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी दीपक कुमार श्रीवास्तव को 129 मतों से पराजित किया। दीपक को 131 मत मिले थे। इसी पद पर सतिराम प्रजापति को 10 और रविशंकर यादव को आठ मत मिले। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के दो पदों पर क्रमशः लौटू राम मौर्य 273 और मुन्ना सिंह ने 210 मत पाकर जीत दर्ज की। सत्यप्रकाश चतुर्वेदी को 142 मतों से संतोष करना पड़ा। सहमंत्री प्रशासन पर आनंद प्रकाश यादव ने 217 मत पाकर जीत दर्ज की जबकि इनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राहुल उपाध्याय को 197 मत प्राप्त हुए। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अन्य पदों पर पहले निर्विरोध पदाधिकारी निर्वाचित हो चुके हैं।

गाजीपुर समाचार

जमानियां में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा: उमड़ा आस्था का सैलाब, छप्पन भोग अर्पित

गाजीपुर। जिले के जमानियां क्षेत्र के सुहवल स्थित परमारथ नगर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा विधि-विधान के साथ निकाली गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में धार्मिक पताकाएं लिए 'जय जगन्नाथ' और 'हरि बोल' के जयकारे लगाते हुए पूरे मार्ग पर मौजूद रहे।

रथयात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष श्रृंगार किया गया। उन्हें पीतांबरी वस्त्र और आकर्षक पुष्प अर्पित किए गए। पूजन-अर्चन और महाआरती के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जिसके बाद सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं।

इस अवसर पर भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का छप्पन भोग अर्पित किया गया। प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच नानखटाई और तुलसी दल का वितरण किया गया। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा और हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

रथयात्रा का मुख्य आकर्षण श्रद्धालुओं द्वारा रस्सियों से भगवान के रथ को खींचना रहा। धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने से भक्तों के जीवन के कष्ट दूर होते हैं और उन्हें पुण्य की प्राप्ति होती है।

पंडित सत्यम मिश्रा के अनुसार, धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक रथयात्रा का पर्व भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के अपनी मौसी के घर जाने की स्मृति में मनाया जाता है। ओडिशा के पुरी से शुरू हुई यह परंपरा अब देशभर में मनाई जाती है और सामाजिक समरसता व सांस्कृतिक एकता का संदेश देती है।

इस अवसर पर भाजपा नेता रिद्धिनाथ पांडेय, पंडित सत्यम मिश्रा, भूनेश्वर पांडेय, शोभनाथ कुशवाहा, मृत्युञ्जय मिश्रा, बबलू पांडेय, इंजीनियर श्रवण राय, मुन्ना मिश्रा, शिवप्रकाश राय, कृष्ण प्रसाद पांडेय, शंकर यादव, मन्नू चौरसिया, किरन राय, सुशील चौरसिया, बिट्टू राय, केशव यादव, रमानुज पांडेय, अंगद पांडेय, राकेश, साधू, बुधिराम, विनोद कुशवाहा, रामबदन राय, रमेश यादव और मनीष राय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हर माह में आने वाली चतुर्थी तिथि का खास महत्व रहता है और जब बात आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की हो रही हो तो इसका पुण्य और भी अधिक बढ़ जाता है। इस बार 17 जुलाई 2026, शुक्रवार को 'अनिरुद्ध विनायक चतुर्थी' मनाई जाएगी। शास्त्रों की मान्यता है की गणेश जी के 'अनिरुद्ध' स्वरूप का पूजन करने से जीवन पथ पर आ रही सभी बाधाएं शांत होती हैं। इस वर्ष आने वाली अनिरुद्ध विनायक चतुर्थी का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि इस रोज रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है। इस दौरान की गई पूजा अन्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक फलदाई सिद्ध होती है।

लाइफ मंत्र

अनिरुद्ध स्वरूप में विराजेंगे विघ्नहर्ता, रवि योग के दुर्लभ संयोग में बरसेगी विशेष कृपा

अनिरुद्ध विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त और समयः पंचांग गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का शुभारंभ 17 जुलाई 2026 की भोर में 06:27 बजे से होगा और समापन अगली सुबह 18 जुलाई को 04:42 बजे होगा। गणेश जी का जन्म दोपहर के वक्त हुआ था, इसलिए उनकी पूजा भी मध्याह्न काल में करना उत्तम माना गया है। पूजा के लिए सबसे सटीक समय दोपहर 11:05 बजे से दोपहर 01:50 बजे तक रहने वाला है, जिसकी कुल अवधि 2 घंटे 45 मिनट है।

अनिरुद्ध विनायक चतुर्थी पर रहें सावधानः विनायक चतुर्थी पर चंद्र दर्शन वर्जित माना गया है क्योंकि इससे मिथ्या कलंक लगने का भय रहता है। 17 जुलाई को सुबह 08:37 बजे से रात 09:33 बजे तक आकाश की ओर न देखें। इसके अलावा, व्रत के दौरान तामसिक भोजन का त्याग करें और केवल फलाहार ही ग्रहण करें।

अनिरुद्ध विनायक चतुर्थी पूजा विधिः दोपहर को स्नान आदि से निवृत होकर घर के पूजा स्थल में पूर्व या उत्तर दिशा की और मुख करके आसन लगाकर बैठ जाएं। श्री गणेश यंत्र की स्थापना करें तत्पश्चात पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली, लाल चंदन और मोदक गणेश जी को अर्पित करें। गणेश जी को सूखे सिंदूर का तिलक लगाने के बाद अपने मस्तक पर भी लगाएं। विधिवत व श्रद्धापूर्वक आरती करें। एकांत में बैठकर इन गणेश मंत्रों का जाप करें।

मंत्रः ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।

गणेश मंत्र- त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय। नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम् अर्थात- इस मंत्र का अर्थ है भगवान गणेश सभी बुद्धियों को देने वाले, बुद्धि को जगाने वाले और देवताओं के भी ईश्वर हैं। आप ही सत्य और नित्य बोधस्वरूप हैं। आपको मैं सदा नमन करता हूं। कम से कम 21 बार इस मंत्र का जाप करें। ये भगवान गणेश के 12 नाम हैं। इन नामों का जाप उचित स्थान पर बैठकर किया जाए तो यह उत्तम फलदायी है। जब पूरी पूजा विधि हो जाए तो कम से कम 11 बार इन नामों का जाप करना शुभ होता है।

गणपूज्यो वक्रतुण्ड एकदंष्ट्री त्रियम्बकः। नीलग्रीवो लम्बोदरो विकटो विघ्नराजकः॥ धूम्रवर्णीं भालचन्द्रो दशमस्तु विनायकः। गणपार्तिहरस्तिमुखो द्वादशारे यजेद्गणम्।

Sanjay Gandhi Death Anniversary: Aerobatics का शौक, इंदिरा के उत्तराधिकारी और PM पद का अधूरा सपना

23 जून 1980 को देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे पुत्र संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। संजय गांधी को पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। 23 जून को भारत के इतिहास की एक ऐसी घटना घटी थी, जिसके देश की सियासत के सारे समीकरण बदल डाले थे। 23 जून 1980 को देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे पुत्र संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। संजय गांधी को पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। लेकिन उनकी मृत्यु से देश में राजनीतिक हवा बदल गई थी। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर संजय गांधी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

नई दिल्ली में 14 दिसंबर 1946 को संजय गांधी का जन्म हुआ था। उनकी मां का नाम इंदिरा गांधी और पिता का नाम फिरोज गांधी था। संजय भारत के पूर्व पीएम राजीव गांधी के छोटे भाई थे। स्कूली शिक्षा पूरी होने के बाद संजय ने ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग को अपना करियर चुना। इंग्लैंड को क्रू में रॉल्स रॉयस में 3 साल की एप्रेंटिसशिप की थी। संजय गांधी को स्पोर्ट्स कारों में अच्छी-खासी रुचि थी। साल 1976 में संजय ने पायलट का लाइसेंस ले लिया था और हवाई जहाज की कलाबाजियों का भी काफी शौक था। इसमें संजय गांधी ने कई ईनाम भी जीते थे।

अंत्येष्टिव शोक

साल 1966 में जब तत्कालीन पीएम लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु हो गई, तो इंदिरा गांधी देश की पीएम बनीं। ऐसे में संजय गांधी को अपनी इंटर्नशिप छोड़कर देश वापस आ गए। इस दौरान इंदिरा ने भी कांग्रेस पार्टी में अपनी पकड़ मजबूत करने का काम शुरूकर दिया। वहीं 1970 तक पार्टी पर एक तरह से इंदिरा गांधी का नियंत्रण हो गया था।

मैनेजिंग डायरेक्टर

साल 1971 में इंदिरा गांधी सरकार ने देश के मीडियम वर्ग के लोगों को कार बनाने के लिए मारुति उद्योग लिमिटेड नाम की कंपनी बनाकर संजय गांधी को इसका मैनेजिंग डायरेक्टर बनाया। संजय को कार उत्पादन का कॉन्ट्रैक्स और उत्पादन का लाइसेंस भी दिया था। इससे पहले कुछ हो पाता कि बांग्लादेश की आजादी के लिए भारत पाकिस्तान से युद्ध में उलझ गया।

राजनीतिक सक्रियता

आपातकाल के दौरान संजय गांधी राजनीतिक तौर पर सक्रिय हुए थे। वह इंदिरा के सलाहकार के रूप में जाने गए। माना जाता था कि लगभग हर मामले में संजय गांधी का सीधा दखल हुआ करता था। वह अक्सर विभागों और मंत्रालयों को सीधे आदेश देते थे। वहीं संजय गांधी को आपातकाल की कई सख्तियों के लिए अकेला जिम्मेदार माना जाता है। जब आपातकाल खत्म हुआ तो साल 1977 में देश में विपक्ष की सरकार बनी। वहीं आपातकाल के आरोपों की वजह से इंदिरा को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन इससे इंदिरा गांधी के प्रति सहानुभूति पैदा हुई और सियासी हलचल कुछ ऐसी हुई कि साल 1980 में आम चुनाव कराने की नौबत आ गई। वहीं संजय गांधी ने सभी को चौंकाते हुए पार्टी में ऐसी जान फूंकी कि साल 1980 में उनकी रणनीति की वजह से इंदिरा गांधी ने प्रचंड जीत हासिल की और सरकार बनाई। इसके बाद संजय को कांग्रेस का महासचिव बना दिया गया।

ईश्वर ही तय करते हैं (व्यंग्य)

ईश्वर की कृपा से घोड़े पालने और बेचने का पारम्परिक व्यवसाय अब कालजयी हो चुका है। यह एक ऐसा व्यापार है जिसमें फायदा ही फायदा है। चुनाव संपन्न होने के दौरान, घोड़ों को मालिश कर तैयार रखा जाता है। जिन्हें बहुमत मिल जाता है उनकी तरफ से घोषणा की जाती है कि ईश्वर ने तो पहले से ही तय कर रखा था।

कोई माने या न माने मगर ईश्वर ही सब तय करते हैं। अब तो यह भी स्वीकृत है कि ईश्वर राजनीति में हिस्सा ले रहे हैं। चुनाव जीतने के बाद चारों नहीं सभी दिशाओं में खुशियां, विदेशी वस्त्र पहन कर नाच रही होती हैं। दो या तीन या चार पार्टियां मिलकर आराम से बहुमत पका लेती हैं। आपसी नैतिक सहयोग का ज़माना है। अकेले कुछ करना मुश्किल सा होता जा रहा है तभी तो थोडा बहुत इनकार, रार और तकरार के बाद मिलन उत्सव आयोजित हो जाता है जिसमें ईश्वर का सामूहिक आशीर्वाद ले लिया जाता है।

ईश्वर की कृपा से घोड़े पालने और बेचने का पारम्परिक व्यवसाय अब कालजयी हो चुका है। यह एक ऐसा व्यापार है जिसमें फायदा ही फायदा है। चुनाव संपन्न होने के दौरान, घोड़ों को मालिश कर तैयार रखा जाता है। जिन्हें बहुमत मिल जाता है उनकी तरफ से घोषणा की जाती है कि ईश्वर ने तो पहले से ही तय कर रखा था। हमारा नायक ही समाज को नई दिशा देगा। जीत के बाद, गठजोड़ को गठजोड़ कहना अच्छी बात नहीं होती। रिकार्ड तोड़ जीत सबके मुंह बंद कर देती है। ऐसे में कोई क्या कहता है कोई फर्क नहीं पड़ता, क्यूंकि हुआ वही जो ईश्वर ने तय का रखा था। ज्यादा सीटें जीतने वाले तो उपरवाल की इच्छा बताकर धन्यवाद कर ही रहे होते हैं, कम सीटें जीतने वाले भी यही कहते हैं कि ईश्वर की यही इच्छा है। अगली बार उनका आशीर्वाद हमें ही मिलेगा और नायक हमारा ही होगा।

ऊंची कुर्सी संभालते ही सार्वजनिक घोषणा की जाती है कि जल्दी ही ईश्वर से मिलने जाएंगे और धन्यवाद कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। उनके साथ नया मिला, ताज़ा लाव लश्कर भी जाता है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार ईश्वर से मिलकर कहेंगे आशीर्वाद लेने बहुत दिनों बाद आ पाया । उनका ही काम कर रहा था। मस्तिष्क से प्रणाम कर धन्यवाद करते हैं और एक बार फिर से ईश्वरीय आशीर्वाद प्राप्त कर लेते हैं। मीडिया से बार बार हाथ मिलाकर पुष्टि करते हैं कि ईश्वर ही सब तय करता है। सूचित करते हैं कि चुनाव से पहले किए गए वायदों को पूरा करने के लिए उचित योजनाएं बनाने के लिए, आज हम ईश्वर से आशीर्वाद लेने आए हैं। फिर दोनों बाहें खोलकर आम लोगों का आह्वान करेंगे कि समाज में बदलाव लाने वाले महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलें। धर्म के रास्ते पर चलने का आग्रह करेंगे फिर विजेता की तरह मुस्कुराते हुए घोषणा करेंगे, ईश्वर ने आज शुभ मुहर्त में विशेष आशीर्वाद दिया है। यह प्रशंसनीय, रहस्यात्मक और दिलचस्प है कि नेताओं को ईश्वर की तरफ से अनेक संकेत मिलते हैं। उनकी अंतरात्मा से प्रेरित शक्ति ही पूरी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक कार्यवाही का संचालन करती है। ईश्वरीय आशीर्वाद से प्रेरित होकर अपनी आन, बान और शान बढाने के लिए योजनाएं बनाते हैं। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि सब कुछ और हर कुछ में आपसी सदभाव, प्रेम, इंसानियत, नफरत, पक्षपात, स्वार्थ और जातपात शामिल है। इत्तफाक से सामाजिक नायक इन सब मामलों में सफल रहते हैं। बेचारा आम आदमी तो हमेशा मानता ही है कि दुनिया में सब कुछ और हर कुछ ईश्वर की कृपा से होता है। ईश्वर ही सब कुछ तय करते हैं।

सियासत के वो 'चाणक्य' जो राजनीति छोड़ते-छोड़ते बन गए देश के Prime Minister

देश के 9वें प्रधानमंत्री रहे पी-वी नरसिम्हा राव का 28 जून को जन्म हुआ था। नरसिम्हा राव स्वतंत्रता सेनानी के अलावा वकील, 17 भाषाओं के ज्ञाता, विदेश नीति में दक्ष, अर्थशास्त्री और कुशल राजनेता थे।

28 जून को देश के 9वें प्रधानमंत्री रहे पीवी नरसिम्हा राव का जन्म हुआ था। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो अचानक की प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने कभी खुद भी यह चाहत नहीं रखी थी कि वह देश के प्रधानमंत्री बनें। नरसिम्हा राव स्वतंत्रता सेनानी के अलावा वकील, 17 भाषाओं के ज्ञाता, विदेश नीति में दक्ष, अर्थशास्त्री और कुशल राजनेता थे। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर पीवी नरसिम्हा राव के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

आंध्र प्रदेश के करीमनगर में 28 जून 1921 को पीवी नरसिम्हा राव का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम पी रंगा राव था। पीवी नरसिम्हा राव ने हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय, मुंबई विश्वविद्यालय व नागपुर विश्वविद्यालय से शिक्षा पूरी की। वह पेशे से कृषि विशेषज्ञ और वकील रहे।

कांग्रेस से जुड़कर पीवी नरसिम्हा राव राजनीति में आए और उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला। साल 1962 से लेकर 64 तक आंध्र प्रदेश तक कानून व सूचना मंत्री, फिर 1964 से 67 तक कानून व विधि मंत्री, साल 1967 में स्वास्थ्य व चिकित्सा मंत्री और 1968 से लेकर 1971 तक शिक्षामंत्री रहे।

वहीं साल 1971 से लेकर 1973 तक नरसिम्हा राव आंध्र प्रदेश के सीएम बने। इसके बाद वह इंदिरा गांधी और फिर राजीव गांधी के मंत्रिमंडल में विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और गृह मंत्री रहे। साल 1991 में वह देश के पहले दक्षिण भारतीय प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त करने वाले राजनेता बने।

गांव जाने की तैयारी

साल 1991 के चुनाव के पहले तक नरसिम्हा राव 69 साल के हो चुके थे। वहीं राजीव गांधी भी कांग्रेस के लिए युवाओं को मौका देने लगे थे। ऐसे में नरसिम्हा राव ने राजनीति से दूर जाने का फैसला किया। नरसिम्हा राव की प्रधानमंत्री बनने की कोई महत्वकांक्षा नहीं दिखाई दी।

ऐसे बने प्रधानमंत्री

साल 1991 में देश में आम चुनाव चल रहे थे। भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला था। वहीं 21 मई को राजीव गांधी चेन्नई के पास श्रीपेराम्बदूर में एक आम सभा को संबोधित करने गए। लेकिन मंच पर पहुंचने से पहले ही एक आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की मौत हो गई। इस घटना से देश और चुनाव दोनों की तस्वीर बदल गई। पूर्व अनुमानों में कांग्रेस पिछड़ रही थी, लेकिन इस हादसे के बाद कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। हालांकि पार्टी को बहुमत नहीं मिला, लेकिन सरकार बनाने में सफल रही।

वहीं इस हादसे के बाद कांग्रेस के सामने नेतृत्व का संकट खड़ा हो गया। राहुल और प्रियंका गांधी छोटे थे और पत्नी सोनिया गांधी राजनीति के लिए तैयार नहीं थी। ऐसे में वरिष्ठता के आधार पर नरसिम्हा राव के नाम पर सर्वानुमति बनी। इस तरह से वह देश के 9वें प्रधानमंत्री बने। पीएम रहते हुए उन्होंने अल्पमत के साथ पार्टी के अंदर चलने वाले गतिरोधों को भी संभाला। शरद पवार और अर्जुन सिंह जैसे नेताओं ने पार्टी छोड़ दी, लेकिन फिर भी नरसिम्हा राव ने अल्पमत सरकार के 5 साल पूरे किए। वहीं 23 दिसंबर 2004 को पीवी नरसिम्हा राव का निधन हो गया था।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

बच्चों के डॉक्टर

मिनहाज चाइल्ड केयर
Dr. Minhaz Husain
MBBS, MD (Child Specialist)
पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)
www.minhazchildclinic.com
19A lane no 1, Ravindrapuri colony, Varanasi, UP - 221005
Mob.- 6387438255 / 8058811141

गुप्त रोग विशेषज्ञ

गुप्त रोग, ताकत जवानी
सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक
राना डिस्पेन्सरी
डॉ. राना
Govt Regd. Estd, 1948
निःसंतान, धात रोग, स्वप्नदोष, नामर्दी, कमजोरी इत्यादि
60 वर्षीय अनुभवी से मिलकर लाभ उठायें
समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक
रविवार 9 से 1 बजे तक
पता: टकसाल सिनेमा के सामने (नियर ताज होटल) नदेसर, वाराणसी
Mob.: 6386935615, 7388779172

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

काशी ई.एन.टी. सेंटर
कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमरेन्द्र सिंह M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai Fellow - Skull Base Surgery (Italy)
सिद्धिगिरीबाग (यूनियन बैंक के सामने) सिगरा, वाराणसी
Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ

समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक
इलाज एवं सुविधाएं: पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर,खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्त्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पीलिया, लिवर सिरोसिस, लिवर एब्सेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमाशय में छाला, अन्दरूनी रक्तस्त्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।
परामर्श समय: 08:30 से 04:00 बजे तक
डॉ. शेखर पूरी
MBBS, MD (IMS-BHU)
DM (GASTRO.) SMS Jaipur
माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

ओंकार यूरोलॉजी सेन्टर एण्ड हॉस्पिटल
Dr. Amit Kumar
MS.FICS M.ch (Urology)
CONSULTANT UROLOGIST
डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
OPD Time 12 Pm to 2 Pm
Mob: 8957650464
डी.63/13ए-5 अन्नपूर्णा कालोनी महमूरगंज. वाराणसी (नियर पासपोर्ट ऑफिस)

मानसिक रोग विशेषज्ञ

तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी,OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ो की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्जिया, सर्वाइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।
रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)
लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030
डॉ. श्रेयांस द्विवेदी
मानसिक रोग विशेषज्ञ
MBBS,DPM, MD
Neuropsychiatrist

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डा. अनुपम श्रीवास्तव
डा. आरती दिव्या
X-ray in 250 Only
Fee Rs 250 Only
वात्सल्य हॉस्पिटल
जाइंट रिप्लेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी
सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

कार्ड एवं स्टेशनरी

शादी के कार्ड
खत्री स्टेशनर्स
साई मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप

Designer Salwar Suit Lancha Dress Materials
Shahnaz
GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप

NEW GENERATION
Exclusive Wear House
KIDS
MENS
TEENAGERS
Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप

DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

पहले देखे चमत्कार फिर दिल से करे नमस्कार
डॉ अनूप कुमार जायसवाल
कुंडली विशेषज्ञ, हस्तरेखा, फेस रीडिंग, कुंडली मिलान
रत्न रुद्राक्ष थेरेपिस्ट, वास्तु एवं फेंगशुई विशेषज्ञ
Indias No.1 Astrologer
Lokhandwala Branch
9324652370
Bandra Branch
8108888280
HEAD OFF. : SHOP No.-2, Shastri Nagar Complex, Sigra, Varanasi-221010
Tel.: 0542-2220532, Mob.: 09305462682